



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 96]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 3, 2009/फाल्गुन 12, 1930

No. 96]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 3, 2009/PHALGUNA 12, 1930

राष्ट्रिय एवं उद्योग मंत्रालय

(राष्ट्रिय विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2009

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय : बेलारूस के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

सं. 14/09/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने घरेलू उद्योग के लिए और उसकी ओर से सिंथेटिक फाइबर उद्योग एसोसिएशन से उपर्युक्त नियमानुसार एक लिखित आवेदन प्राप्त किया जिसमें बेलारूस (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक के पाटन का आरोप लगाया गया था;
- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जाँच शुरू करने की कार्यवाही से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन के आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित बेलारूस के दूतावास/प्रतिनिधि को अधिसूचित किया;
- iii. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव की जाँच करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर्याप्ततः समाप्त हो जाएगी, नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार बेलारूस के मूल के या वहाँ से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए, 30 सितम्बर, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

(1)

जाएगी, नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार बेलारूस के मूल के या वहां से निर्यातित नाइलोन टॉयर कॉर्ड फैब्रिक के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 30 सितंबर, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 30 सितंबर, 2008 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भारत में बेलारूस के प्रतिनिधि, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्तों के अनुसार बेलारूस के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- v. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और भारत में बेलारूस के प्रतिनिधि को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई ।
- vi. भारत में बेलारूस के प्रतिनिधि को इस अनुरोध के साथ नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था कि वह निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के बारे में अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों के नाम और पत्तों के साथ उन्हें भेजी गई थी ।
- vii. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित प्रतिनिधि देश को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं ।
 - (क) मै. ग्रोडनो खिमवोलोक्नो
स्लेविन्सकोगो स्ट्रीट
4, ग्रोडनो
बीवाई-230026
बेलारूस गणराज्य
 - (ख) थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि.
मेप्टाफुट इंडस्ट्रियल इस्टेट
1-1 रोड मेप्टाफुट, मुआंगरेयांग,
रेयांग, 21150, थाइलैंड
 - (ग) फार्मोसा टफेटा कं. लि.

2एफ, 201, तुगह्या नॉर्थ रोड,
ताइपेई, ताइवान

viii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित नियमित ने अपना उत्तर प्रस्तुत किया:

मै. ग्रोडनो खिमवोलोव्को
स्लेविन्सकोगो स्ट्रीट
4, ग्रोडनो
बीवाई-230026
बेलारूस गणराज्य

थाइलैंड की मै. थाई बड़ौदा ने अपनी लागत सूचना प्रस्तुत की थी।

ix. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और/अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी।

(क) अपोलो टायर्स लि.
अपोला हाउस, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-32,
गुडगांव-122001 (हरियाणा)

(ख) फॉल्कन टायर्स लि.
केआरएस रोड, मेटागल्ली पोस्ट,
मैसूर-570016

(ग) बिड़ला टायर्स,
शिवम चैम्बर, 53, सैय्यद अमीर अली एवेन्यू,
कोलकाता-700019

(घ) गुडियर इंडिया लि.
मथुरा रोड,
बल्लभगढ़, हरियाणा-121004

(ङ) ब्रिजस्टोन इंडिया प्रा.लि.
प्लॉट नं. 12,
खेड़ा ग्रोथ सेन्टर,
पोस्ट-संगोर- 454774, जिला धार,
मध्य प्रदेश

- (च) जे.के. टायर एंड इंडस्ट्रीज लि.
लिक हाउस, 3, बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002
- (छ) सिएट लि.
463, डॉ. ऐनीबेसेंट रोड,
मुंबई-400030
- (ज) एमआरएफ लि.
124, ग्रीम्स रोड,
चेन्नई-600006
- (झ) बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लि.
421-422-क्रिएटिव, 72-एन एम जोशी मार्ग,
मुंबई-400011
- (ञ.) ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसो.
पीएचडी हाउस, चौथा तल,
सिरीफोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया,
एशियन विलेज के सामने,
नई दिल्ली

x इसके उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/उपभोक्ताओं से सूचना प्राप्त हुई है जिस पर वर्तमान जांच परिणामों में विचार किया गया है ।

(क) मै. अपोलो टायर्स लि., गुडगांव

- xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा;
- xii. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था ।
- xiii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया

जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xiv. यह जांच 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 तक की अवधि के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल 2006-मार्च, 2007 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।

xv. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में गोपनीय आधार पर आवेदन द्वारा प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

xvi. प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए अम.डॉ. रुपया परिवर्तन दर पर 1 डॉ.= 40.29 रु. के रूप में विचार किया है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

3 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) है जो मोटे तौर पर टायर की मजबूती के लिए होता है। एनटीसीएफ का उपयोग विभिन्न प्रकार के आटोमोटिव टायरों में किया जाता है। नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक का उत्पादन केप्रोलेक्टम से किया जाता है। नाइलोन चिप्स तैयार करने के लिए केप्रोलेक्टम को प्रसंस्कृत किया जाता है। यार्न प्राप्त करने के लिए चिप्स को आगे और प्रसंस्कृत किया जाता है। यार्न को आगे और प्रसंस्कृत करके फैब्रिक प्राप्त होता है। एनटीसीएफ का उत्पादन अनेक डेनियर्स में किया जाता है। एनटीसीएफ का उपयोग टायरों की मजबूती के लिए होता है। उत्पाद की बिक्री "ग्रे फैब्रिक" या "डिप्ट फैब्रिक" के रूप में की जाती है। इसका अंततः उपयोग डिप्ट रूप में किया जाता है। जिन मामलों में उत्पाद की खरीद ग्रे रूप में की जाती है, उनमें डिपिंग खरीददारों द्वारा की जाती है। सभी प्रकार के नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।

4. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय-59 में उपशीर्ष 59.02.10.00 में वर्गीकृत है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

5. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में

कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया जा रहा है। इस संबंध में किसी भी विरोधी हितबद्ध पार्टी ने कोई आपत्ति नहीं की है। इस प्रकार याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

ग घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

7. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए याचिका सिंथेटिक फाइबर उद्योग एसो. द्वारा दायर की गई थी और इसका समर्थन एसआरएफ लि. तथा सैन्चुरी एंका द्वारा किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक अन्य कंपनी (मै. एनआरसी) भी थी जिसने जांच अवधि में संबद्ध उत्पाद का उत्पादन किया था। तथापि, कंपनी ने उत्पादन स्थगित कर दिया है और उसने सूचना के अनुरोध पर प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। प्राप्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदक कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं के पास नियम 5(2) के अनुसार आधार है और वे नियम 2(घ) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

घ आयात की मात्रा और न्यूनतम सीमाएं

8. प्राधिकारी ने (क) याचिकाकर्ता (जो गौण स्रोत के आयात आंकड़ों पर आधारित है), (ख) प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना और (ग) प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदत्त संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि प्रतिवादी निर्यातक द्वारा सूचित आयात की मात्रा डीजीसीआईएंडएस तथा गौण स्रोत के आंकड़ों में सूचित आयातों की मात्रा से अधिक है। रिकॉर्ड में उपलब्ध आयात के विभिन्न आंकड़ों के आधार पर बेलारूस से आयात की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई है।

- 8.1 मै. अपोलो टायर्स, गुड़गांव ने आयातक के रूप में उत्तर दिया है और उसने जांच अवधि के दौरान किए गए आयातों (शुल्क संदत्त और शुल्क मुक्त) के संबंध में निम्नलिखित सूचना उपलब्ध कराई है :

| देश | मात्रा किग्रा. | दरदर. प्रति किग्रा |
|---------|----------------|--------------------|
| चीन | *** | *** |
| रूस | *** | *** |
| बेलारूस | *** | *** |
| ताइवान | *** | *** |
| थाईलैंड | *** | *** |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि बेलारूस से आयातों के संबंध में सीआईएफ कीमत निर्यातक के उत्तर के अनुरूप है।

४ हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क

9 घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- क. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद बेलारूस के मूल का या वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) है जिसे आगे (संबद्ध उत्पाद या संबद्ध वस्तु) भी कहा गया है।
- ख. उत्पाद एक नाइलोन का फैब्रिक है जो टायर कोर्ड के लिए मुख्य रूप से होता है। एनटीसीएफ का उपयोग विभिन्न प्रकार के ऑटोमोटिव टायरों में किया जाता है।
- ग. नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक का उपयोग विभिन्न प्रकार के टायरों में मजबूतकारी फैब्रिक के रूप में किया जाता है।
- घ. अधिकांश उत्पादकों द्वारा स्वयं चिपों का उत्पादन किया जाता है और तत्पश्चात यार्न एवं फैब्रिक का उत्पादन किया जाता है। वस्तुतः उत्पादकों द्वारा इन्हें समेकित उत्पादन कार्यकलाप माना जाता है। उत्पादन प्रक्रिया में मध्यवर्ती के रूप में उत्पादित नाइलोन चिप और नाइलोन यार्न का आम तौर पर उत्पादन एनटीसीएफ उत्पादन में खपत के लिए ही किया जाता है।
- ङ. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-59 में श्रेणीबद्ध की गई है जिसमें "इम्प्रेग्नेटेड, कोटेड, कवर्ड या लेमिनेटेड टैक्सटाइल फैब्रिक" शामिल है। संबद्ध वस्तु शीर्ष 5902 में श्रेणीबद्ध है जिसमें "नाइलोन के उच्च तनाव वाले यार्न का टायर कोर्ड फैब्रिक अथवा अन्य पोलिएस्टर अथवा विस्कोस रेयन" शामिल हैं। नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक उपशीर्ष 59021000 में वर्गीकृत है।

- च. संबद्ध वस्तु फैब्रिक रूप में है। वाणिज्यिक रूप से विनिर्मित नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक (क) ग्रे फैब्रिक; और (ख) डिप्ले फैब्रिक दो रूपों में उपलब्ध है।
- छ. संबद्ध उत्पाद के आयातों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इस उत्पाद का आयात किसी भी मात्रा में किसी भी देश से मुक्त रूप में किया जा सकता है।
- ज. बेलारूस के उत्पादकों/निर्यातकों ने हाल ही में भारतीय बाजार में एनटीसीएफ का निर्यात शुरू किया है। क्षति अवधि के दौरान बेलारूस से पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- झ. भागीदार कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन बनता है। यह याचिका संबद्ध वस्तु की एसोसिएशन द्वारा की जा रही है। कृपया इस बात पर विचार किया जाए कि याचिका घरेलू उद्योग की ओर से दायर की जा रही है।
- ञ. भारत में इस उत्पाद का एक और उत्पादक है। तथापि एनआरसी लि. ने प्रस्तावित जांच अवधि में उत्पादन बंद कर दिया है।
- ट. मैसर्स सेंचुरी एंका लिमिटेड बी के बिड़ला कंपनी समूह की है। मैसर्स बिड़ला टायर्स (केसोराम इंडस्ट्रीज लि. की एक इकाई) भी बी के बिड़ला कंपनी समूह की है। बिड़ला टायर्स तथा सेंचुरी एंका संबंधित कंपनियां हैं। मैसर्स बिड़ला टायर्स द्वारा एनटीसीएफ का नियमित आयात किया जा रहा है।
- ठ. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में याचिकाकर्ता कंपनियों के पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप नहीं होते हैं।
- ड. बेलारूस से निर्यातित और याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु (एनटीसीएफ) में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- ढ. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु (विभिन्न ग्रेडों में) भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया जा सकता है और किया जा रहा है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।
- ण. याचिकाकर्ता कंपनियों और संबद्ध देश के उत्पादक द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
10. अन्य हितबद्ध पार्टियों ने कोई अन्य मुद्दा नहीं उठाया है।

11. वर्तमान जांच परिणाम अधिसूचित करते समय घरेलू उद्योग के तर्कों पर ध्यान दिया गया है और इन जांच परिणामों में उन पर उचित स्थानों पर विचार किया गया है।

घ पाटन का निर्धारण

12. प्राधिकारी ने बेलारूस के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातक/उत्पादक को निर्धारित प्रपत्र और ढंग से सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देते हुए उसे प्रश्नावली भेजी:

मै. ग्रोडनो खिमवोलोक्नो, स्लेविन्सकोगो, ग्रोडनो, बेलारूस गणराज्य

13. इस कंपनी ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है। चूंकि इस कंपनी ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है इसलिए इस कंपनी के संबंध में अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

14. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- 1) बेलारूस एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।
- 2) बेलारूस में संबद्ध उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है अर्थात् यह राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है। अतः कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की पात्र नहीं है।
- 3) बेलारूस के लिए ताइवान या थाइलैंड पर उचित प्रतिनिधि देश के रूप में विचार किया जाए और इन देशों में एसजीए सहित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य के रूप में विचार किया जाए।
- 4) घरेलू उद्योग इन देशों से कोई कीमत या सूचना प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुआ है इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर किया जाए।

छ मै. ग्रोडनो खिमवोलोक्नो के मामले में सामान्य मूल्य

15. मै. ग्रोडनो खिमवोलोक्नो ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है जिसकी जांच की गई है। कंपनी ने अनुरोध किया है कि कंपनी में स्वामित्व/प्रमुख शेरधारक बेलारूस गणराज्य की राज्य संपत्ति समिति है जो गणतंत्र (राष्ट्रीय) स्तर पर राज्य की एक कंपनी है। इस कंपनी की स्थापना रिपब्लिकन यूनिटरी एंटरप्राइज "प्रोडक्शन एसोसिएशन खिमवोलोक्नो ग्रोडनो" के पुनर्गठन द्वारा गणराज्य के आर्थिक कार्य मंत्रालय के दिनांक 10.09.2002 के आदेश सं. 127 के आधार पर की गई थी।

यह उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2002 में इस पुनर्गठन से पूर्व संयंत्र एवं उपकरणों की स्थापना वर्ष 1978 में राज्य की एक कंपनी के रूप में की गई थी। बाजारी अर्जन आदि के अनुरूप परिसंपत्तियों की अंतरण कीमत के संबंध में ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसके अलावा, कच्ची सामग्री/उपयोगिताओं की खरीद भी कंपनियों के जरिए की जाती है जिन्हें राज्य की कंपनियां बताया गया है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी इस कंपनी को अनंतिम निर्धारण हेतु गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनरत कंपनी मानते हैं जो उनके रिकार्डों के सत्यापन और इस संबंध में कंपनी द्वारा अंतिम खंडन के अधीन है।

- 16 तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया गया है:
7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।
- 17 प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता क्योंकि संगत सूचना उपलब्ध नहीं है। यद्यपि याचिकाकर्ता में ताइवान या थाइलैंड को उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में सुझाव दिया है, तथापि किसी हितबद्ध पार्टी ने इस संबंध में कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी के पास इस बात के सिवाय कोई विकल्प नहीं है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में संदत्त या संदेय कीमत के अनुसार किया जाए।
- 18 अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन सहित भारत में उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य ग्रे फैब्रिक के लिए *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. बनता है।

ज निर्यात कीमत

- 19 निर्यातक ने परिशिष्ट-2 में भारत को हुए निर्यात के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। यह उल्लेख किया गया है कि भारतीय बाजार के लिए उत्पाद का भारत को पोतलदान किया जाता है परंतु उसकी बिक्री असंबद्ध फर्म मै. कैप्सको प्रा.लि. (कैप्सको), सिंगापुर को प्रमुख कंपनी दर प्रमुख कंपनी आधार पर की जाती है जो ग्रीडनो खिम्बोलोक्नो को अग्रिम रूप में भुगतान करती है। जांच अवधि के दौरान कंपनी ने भारत को *** मी.ट. ग्रे फैब्रिक का निर्यात किया है। *** मी.ट. का निर्यात भी हुआ है जिसे डिप्ड फैब्रिक माना जाता है तथापि, सत्यापन के अधीन रहते हुए उसे ग्रे माना गया है। सकल बीजक मूल्य, निवल बीजक मूल्य और डिलीवरी की कुल लागत आदि के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई गई है। समुद्री भाड़े, बीमा, कमीशन आदि के संबंध में अलग से ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं; तथापि, समेकित समायोजनों का दावा किया गया है। उत्तर से यह नोट किया जाता है कि निर्यातों में मैसर्स कैप्सको, सिंगापुर के जरिए सुविधा प्राप्त की गई है। उनकी ओर से समायोजनों के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने कैप्सको के लिए कमीशन/व्यय के रूप में निर्यात कीमत के 2% पर विचार किया है। प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ और किए गए समायोजनों की राशि के सत्यापन के अधीन प्राधिकारी ने कैप्सको के लिए व्यय का समायोजन करने के बाद कंपनी के दावे के अनुसार निवल निर्यात कीमत की अनुमति दी है। ग्रे फैब्रिक के लिए निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. बनती है।

झ प्रतिवादी निर्यातक के मामले में पाटन मार्जिन

- 20 उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

ञ अन्य असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन

- 21 प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल ग्रीडनो खिम्बोलोक्नो ने ही प्राधिकारी को उत्तर दिया है और प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है। बेलारूस के किसी अन्य निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। बेलारूस के असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत ग्रीडनो खिम्बोलोक्नो की न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार करते हुए ली गई है। तदनुसार निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है :

अम.डॉ. प्रति किग्रा.

| | ग्रीडनो खिम्बोलोक्नो | अवशिष्ट |
|-------------------|-------------------------|---------|
| सामान्य मूल्य | *** | *** |
| निर्यात कीमत | *** | *** |
| पाटन मार्जिन राशि | *** | *** |

| | | |
|----------------|-------|-------|
| पाटन मार्जिन % | 28.00 | 31.50 |
|----------------|-------|-------|

ट क्षति एवं कारणात्मक संबंध

- 22 डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) सामान्य उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का अनुवर्ती प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा अत्यधिक मात्रा में कीमतों में अवमूल्यन या कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी अधिक हुई होती, को रोकने के रूप में हुआ है।

जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को नोट किया है और उठाए गए मुद्दों पर उचित स्थानों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों के तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है।

23. माप का आकलन

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयात की राशि के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार आकलित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

| मांग | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|--------------------------|-------|---------|---------|---------|-----------|
| घरेलू उद्योग की बिक्री | मी.ट. | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| अन्य उत्पादकों की बिक्री | मी.ट. | 7,592 | 6,050 | 7,037 | 3,530 |
| संबद्ध देश | मी.ट. | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| अन्य देश | मी.ट. | 41427 | 46312 | 42571 | 37751 |
| मांग | मी.ट. | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |

यह देखा जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों के अनुरोध के अनुसार जांच अवधि के दौरान बेलारूस से निर्यात डीजीसीआईएंड एस द्वारा सूचित 3923 मी.ट. की तुलना में 4273 मी.ट. के हुए थे जिसमें भी डीजीसीआईएंडएस की सूचना की तुलना में अधिक निर्यातों का पता चलता है। तथापि, निर्यातों के सत्यापन के अधीन प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातक के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

23.1 पाटित आयातों की मात्रा और उनका बाजार हिस्सा

संबद्ध देश तथा अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा निम्नानुसार रही है:-

| आयात मी.टन में | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|--|-------|---------|---------|---------|-----------|
| बेलारूस | मी.ट. | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| चीन जन.गण. जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है | मी.ट. | 21594 | 28021 | 23339 | 17204 |
| अन्य देश | मी.ट. | 19833 | 18292 | 19232 | 20547 |
| कुल आयात | मी.ट. | 41445 | 48019 | 45779 | 42024 |
| आयातों में बाजार हिस्सा | | | | | |
| बेलारूस | % | 0.04 | 3.55 | 7.01 | 10.17 |
| चीन | % | 52.10 | 58.35 | 50.98 | 40.94 |
| अन्य देश | % | 47.85 | 38.09 | 42.01 | 48.89 |

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान बेलारूस से आयातों में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष में आयात नगण्य थे जिनमें अत्यधिक वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयात एक नए देश बेलारूस से शुरू हुए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विभिन्न स्रोतों से भारत में उत्पाद का आयात डिप्ट तथा ग्रे रूप में किया जाता है लेकिन बेलारूस से मुख्यतः ग्रे का आयात किया जा रहा है।

23.2 मांग में बाजार हिस्सा

विभिन्न स्रोतों से हुए आयातों और भारतीय आयातों की बिक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध देश का बाजार हिस्सा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

| | | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-----------------------|-------|---------|---------|---------|---------|
| मांग | मी.ट. | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |
| मांग में बाजार हिस्सा | | | | | |
| घ.उ. | % | 48.47 | 46.45 | 50.68 | 56.42 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | % | 7.98 | 5.99 | 6.57 | 3.38 |
| भा.उ. | % | 66.45 | 52.44 | 57.25 | 59.80 |
| बेलारूस | % | 0.02 | 1.69 | 3.00 | 4.09 |
| अन्य देश | % | 43.54 | 45.87 | 39.75 | 36.11 |

यह देखा जाता है कि बेलारूस से मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में नगण्य से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 4.09% हो गया ।

23.3 उत्पादन के संबंध में पाटित आयातों का हिस्सा:

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देश से पाटित आयातों में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है: -

| | | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|--------------------------------------|-------|---------|---------|---------|--------------|
| बेलारूस से आयात | मी.ट. | 18 | 1707 | 3208 | 4,273 |
| घरेलू उद्योग का उत्पादन | मी.ट. | 46,958 | 48,637 | 56,240 | 60,605 |
| घ.उ. के उत्पादन के संबंध में आयात | % | 0.04 | 3.51 | 5.70 | 7.05 |

24 क्षमता तथा क्षमता उपयोग

क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :-

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|----------------|-------|---------|---------|---------|--------------|
| क्षमता मी.ट. | मी.ट. | 44,650 | 45,289 | 51,008 | 61,789 |
| क्षमता उपयोग % | % | 105.17 | 107.39 | 110.26 | 98.08 |
| मांग | मी.ट. | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |

यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग ने उत्पाद की बढ़ती हुई मांग के अनुरूप इस अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि की है। घरेलू उद्योग ने स्थापित क्षमता से भी अधिक क्षमता का उपयोग किया है; तथापि चीन के साथ-साथ बेलारूस से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन को सीमित करने के लिए बाध्य हुआ है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2007-08 में क्षमता उपयोग वर्ष 2004-05 के स्तर से कम बना रहा।

25 उत्पादन

घरेलू उद्योग का उत्पादन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|---------------------------|-------|---------|---------|---------|-----------|
| उत्पादन मी.ट. | मी.ट. | 46,958 | 48,637 | 56,240 | 60,605 |
| मांग | मी.ट. | 86,401 | 105,180 | 110,882 | 111,913 |
| मांग के संबंध में उत्पादन | % | 49.34 | 48.17 | 52.52 | 57.97 |

यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। इसी के साथ-साथ मांग में भी सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2005-06 में गिरावट की प्रवृत्ति (मांग के संबंध में) प्रदर्शित हुई है जिसमें पुनः वर्ष 2005-06 तथा जांच अवधि के दौरान वृद्धि शुरू हुई है। तथापि, यह आधार वर्ष की तुलना में कम रही है। यह देखा गया है कि भारत में उत्पाद की मांग क्षमता से अधिक है। यद्यपि घरेलू उद्योग ने क्षमता बढ़ाई है लेकिन वह पाटित आयातों के कारण उसके अनुरूप अपना उत्पादन बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा है।

26 बिक्री

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|---------------------------------------|----------|---------|---------|---------|-----------|
| बिक्री | मी.ट. | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100.00 | 101.69 | 117.68 | 127.90 |
| मांग | मी.ट. | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 106 | 112 | 110 |
| मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा | % | 48.46 | 46.44 | 50.68 | 56.42 |
| मांग में भारतीय उद्योग का बा.हि. | % | 66.45 | 52.44 | 57.25 | 59.80 |

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से कम रही है जिससे घरेलू उद्योग के

बाजार हिस्से में गिरावट आई है। यह देखा गया था कि बाजार हिस्से में आई गिरावट को अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया है।

27 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

घरेलू उद्योग की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

भारत में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री दो ग्रेडों-ग्रे और डिण्ड में की जाती है। तथापि, खपत के समय इसकी खपत केवल डिण्ड रूप में की जाती है। जब ग्राहक ग्रे फैब्रिक की खरीद करता है तो उपभोक्ता द्वारा स्वयं उसे डिण्ड बनाया जाता है। यह देखा गया है कि बेलारूस से आयातित उत्पाद मुख्यतः ग्रे रूप में है। उत्पाद के ग्रे और डिण्ड रूप के बीच लागत एवं कीमत अंतर को ध्यान में रखते हुए और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि संबद्ध देश से आयात मुख्यतः ग्रे रूप में हुए हैं। ग्रे रूप के लिए आयातों के पहुंच मूल्य के साथ घरेलू बिक्री कीमत की तुलना की गई है। समस्त रिबेटों और करों की कटौती के बाद निवल बिक्री प्राप्ति निकाली गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना आयातों के सीआईएफ मूल्य में 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क (10%) को जोड़ने के बाद की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

| | | ग्रे |
|---------------------|-------------|--------|
| आयात मात्रा | मी.ट. | 4273 |
| आयात कीमत | रु./किग्रा. | 131.38 |
| पहुंच कीमत | रु./किग्रा. | *** |
| घ.उ. की बिक्री कीमत | रु./किग्रा. | *** |
| कीमत कटौती | रु./किग्रा. | *** |
| कम कीमत पर बिक्री % | % | 15-20 |

यह देखा जाता है कि संबद्ध निर्यातकों ने उत्पाद की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर की है।

27.1 कम कीमत पर बिक्री

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है। कम कीमत पर बिक्री की मात्रा को निकालने के लिए क्षतिरहित कीमत निकाली गई है

और उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। घरेलू उत्पादकों के लिए क्षतिरहित कीमत का आकलन प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति के अनुसार क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करने के बाद की गई है और इसमें माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय को भी ध्यान में रखा गया है। उत्पाद के ग्रे और डिप्ले रूप के लिए अलग-अलग क्षतिरहित कीमत निर्धारित की गई है।

विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध आयातों के ग्रे रूप का पहुंच मूल्य निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम था।

| | | |
|---------------------|-------------|-------|
| | | ग्रे |
| आयात मात्रा | मी.ट. | 4273 |
| पहुंच कीमत | रु./किग्रा. | *** |
| क्षतिरहित कीमत | रु./किग्रा. | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | रु./किग्रा. | *** |
| कम कीमत पर बिक्री % | % | 30-35 |

27.2 कीमतहास/न्यूनीकरण

प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तु की कीमत में हास हुआ है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती। प्राधिकारी ने बनाने और बेचने की लागत में प्रवृत्ति की जांच की है और उसकी तुलना आयातों की बिक्री कीमत तथा पहुंच कीमत के साथ की है।

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|----------------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|
| आयातों की पहुंच कीमत | रु./किग्रा. | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |
| घ.उ. की बिक्री कीमत (ग्रे) | रु./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 109 | 100 | 95 |
| घ.उ. की उत्पादन लागत | रु./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 112 | 110 | 107 |
| लाभ/हानि | रु./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 83 | 16 | (9) |

यह नोट किया जाता है कि यद्यपि उत्पादन लागत में वर्ष 2004-05 और 2005-06 के बीच वृद्धि हुई है। तथापि, उसके बाद गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी वर्ष 2005-06 में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और तत्पश्चात गिरावट आई है। इस प्रकार वर्ष 2005-06 और जांच अवधि के बीच यद्यपि उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में गिरावट आई है, तथापि बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की वजह से काफी अधिक हुई थी। इस प्रकार पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत का हास किया जा रहा था।

28 लाभ/हानि

घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|--------------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|
| कर पूर्व लाभ | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 75 | 9 | (39) |
| ब्याज पूर्व लाभ | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 82 | 33 | (10) |
| प्रति इकाई बिक्री पर लाभ | | | | | |
| ब्याज पूर्व | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 80 | 3 | (0.08) |
| ब्याज पश्चात | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 73 | 8 | (0.30) |
| घ.उ. की बि. | मी.ट. | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| आयातों की पहुंच कीमत | रू./किग्रा. | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |

प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग के लाभ में क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई है और जांच अवधि में उद्योग को घाटा हुआ है। लाभ में यह गिरावट बिक्री मात्रा में सतत पर्याप्त वृद्धि के बावजूद आई है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित प्रति इकाई बिक्री लाभ का निर्धारण किया और यह नोट किया कि जांच अवधि में लाभ में नाटकीय गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी ने लाभप्रदता में इस प्रकार की भारी गिरावट के कारणों की विस्तार से जांच की। इस प्रयोजनार्थ लाभप्रदता में प्रवृत्ति की तुलना आयात कीमत में प्रवृत्ति के साथ की गई। बेलारूस से आयातों की पहुंच कीमत में क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई जिससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता आयात कीमत से सीधे संबंधित है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रभाव के कारण जांच अवधि में आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट आने से और अधिक वृद्धि हुई।

ठ क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

29 घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री जैसे प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों और विभिन्न खंडों के बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति जैसे अन्य प्रमुख संकेतकों की जांच करने के बाद जिन अन्य आर्थिक मापदंडों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है, प्राधिकारी ने उनकी जांच निम्नानुसार की है :

30 मालसूचियां

घरेलू उद्योग की मालसूचियों की स्थिति निम्नानुसार रही है :

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|------------|----------|---------|---------|---------|-----------|
| मालसूचियां | मी.ट. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100.00 | 121.10 | 168.21 | 167.73 |

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास मालसूचियों में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

31 उत्पादकता

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षमता और उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप घरेलू उद्योग की उत्पादकता में समग्र रूप में वृद्धि हुई है।

| | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|--------------------------|---------|---------|---------|-----------|
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | 100 | 100.4 | 102.8 | 108.9 |

32 रोजगार तथा मजदूरी

प्राधिकारी नोट करते हैं कि रोजगार एवं मजदूरी से वास्तविक क्षति का पता नहीं चलता है।

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|-----------------------|----------|---------|---------|---------|-----------|
| कर्मचारियों की संख्या | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| मजदूरी | लाख रुपए | *** | *** | *** | *** |

33 नकद प्रवाह

घरेलू उद्योग के नकद लाभ के बारे में सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

| लाख रुपए | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|------------|---------|---------|---------|---------|
| नकद लाभ | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | 100 | 85 | 55 | 37 |
| नकद प्रवाह | *** | *** | *** | *** |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के दोनों घटक बहु-उत्पाद कंपनियां हैं। अतः नकद लाभ में प्रवृत्ति में विचार करने के बाद नकद प्रवाह पर प्राप्ति आयतों के प्रभाव का निर्धारण करना अधिक उचित होगा। यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के नकद लाभ में तेजी से गिरावट आई है।

34 घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

पाटित आयातों के अलावा घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर सकने वाले कारकों से भिन्न कारकों के विश्लेषण हेतु लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा तथा प्रतिस्पर्धी स्थानापन्नों की कीमत की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के घरेलू बाजार में वृद्धि हो रही है। संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के दोनों घटकों की बिक्री कीमत से कम है। अतः यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि आपसी प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना निम्नानुसार दर्शायी गई है।

| | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | जांच अवधि |
|---------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|
| आयात मात्रा | मी.ट. | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| पहुंच कीमत | रु./किग्रा. | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |
| घ.उ. की बिक्री कीमत | रु./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती % | % | 8-12 | 14-18 | 8-12 | 16-20 |

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में घटबढ़ आयातों की पहुंच कीमत के अनुसार हुई है।

35 लगाई गई पूंजी पर आय

लगाई गई पूंजी पर आय से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

| | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|------------------------|---------|---------|---------|---------|
| आरओसीई - जीएफए आधार पर | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | 100 | 69 | 22 | (0.07) |
| आरओसीई - जीएफए आधार पर | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | 100 | 63 | 18 | (0.06) |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए लगाई गई पूंजी पर आय में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।

36 वृद्धि

यह पाया गया है कि मात्रात्मक मापदंडों अर्थात् उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री तथा मांग आदि में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के

दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है, पाटित आयातों के बाजार हिस्से में समग्र रूप में और कुल मांग की तुलना में वृद्धि हुई है।

37 पूंजी जुटाने की क्षमता

प्रधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 तक घरेलू उद्योग द्वारा नया निवेश किया गया था। तथापि घरेलू उद्योग ने उस चरण तक बेहतर लाभप्रदता हासिल की थी। इसके अलावा, दोनों कंपनियों बहु उत्पाद कंपनियों हैं। तथापि, उत्पाद के सतत पाटन से निश्चित तौर पर पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा होगा।

38 क्षति के बारे में निष्कर्ष

उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदंडों की जांच करने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्राधिकारी निम्नलिखित प्रारंभिक निष्कर्षों पर पहुंचे हैं।

(क) संबद्ध देश से आयातों में, समग्र रूप में और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। आयातों की मात्रा में वृद्धि के रूप में हुई है जिसके बारे में कीमत कटौती काफी अधिक है।

(ख) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई है। यद्यपि, उत्पादन लागत में गिरावट आई थी, तथापि बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही थी।

(घ) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में सुधार हुआ। तथापि, बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।

(ङ) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई। यह गिरावट जांच अवधि के दौरान और अधिक बढ़ गई। बिक्री की काफी अधिक मात्रा होने के बावजूद घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ काफी कम रहे थे।

(च) लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट आई और लाभ के संबंध में भी यही प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई।

इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

39 कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को देखते हुए और इस संबंध में नियमों को ध्यान में रखते हुए पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की जांच की है।

40 अन्य ज्ञात सूचीबद्ध मापदंडों का प्रभाव

प्राधिकारी ने अन्य कारकों से पृथक् रूप से हुई क्षति, यदि कोई हो, के बारे में नियमों में किए गए निर्धारण के अनुसार कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारणेतर कारकों के मुद्दों की जांच की। इस संबंध में नियमों में निर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है।

(क) पाटित कीमतों पर बेचे न गए आयातों की मात्रा और कीमत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन भी संबद्ध उत्पाद का एक प्रमुख निर्यातक है। चीन पर पहले से शुल्क लागू है और प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. के खिलाफ निर्णायक समीक्षा जांच की जा रही है। अतः तीसरे देशों से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

(ख) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और भारतीय उद्योग द्वारा अपनाए गए किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार को नहीं पाया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार विद्यमान नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। इसके अलावा, आयातों की पहुंच कीमत में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। जिस स्थिति में आयात कीमतें भारतीय उत्पादकों की बिक्री कीमतों से काफी कम हों और उसके बावजूद विदेशी उत्पादकों ने कीमतों में पर्याप्त कमी की हो, उस स्थिति में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बाजार में कीमत में कमी घरेलू उत्पादकों द्वारा की गई है।

(ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत क्षति अवधि में मांग में 39% की वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। हितबद्ध पार्टियों द्वारा खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में कोई तर्क नहीं दिया गया है और न ही यह प्रतीत होता है कि खपत की पद्धति में हुए परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(घ) प्रौद्योगिकी विकास

घरेलू उद्योग और संबद्ध देश के निर्यातक/उत्पादक द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई अंतर नहीं है। जांच से यह पता नहीं चलता है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई खास परिवर्तन हुआ है। जहां तक प्रौद्योगिकी में परिवर्तन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा क्षति अवधि के दौरान एक समान प्रौद्योगिकी वाली वस्तु का उत्पादन और बिक्री की जा रही थी और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पूर्ववर्ती वर्षों में बेहतर रही थी तथा जांच अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई। ऐसा मामला होने के कारण प्राधिकारी यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रौद्योगिकी में संभावित घटनाक्रमों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(ङ) निर्यात निष्पादन

घरेलू उद्योग ने संबद्ध उत्पाद की खास निर्यात बिक्री नहीं की है। निर्यातों में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकती है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। उत्पादकता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकती है।

उपर्युक्त से प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य कारकों की वजह से होने वाली क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है।

41 कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है। निम्नलिखित आधारों पर पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि की जाती है:

1. आयातों से बाजार में कीमत कटौती हो रही थी। इसके अलावा, पाटित आयात की कीमतों और परिणामतः आयातों की पहुंच कीमत में क्षति अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग कीमत में अत्यधिक वृद्धि करने के लिए बाध्य हुआ;
2. घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में गिरावट किए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को अत्यधिक कीमत ह्रास का सामना करना पड़ा;

3. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमत में कमी किए जाने से कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ;
4. यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत में कमी करके आयात कीमत में गिरावट का सामना किया, तथापि आयात मात्रा में वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप उसके बाजार हिस्से में गिरावट आई;

उपर्युक्त से पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की स्पष्ट तौर पर पुष्टि होती है ।

42 समग्र निर्धारण

विभिन्न क्षति एवं कारणात्मक संबंध के कारकों के उपर्युक्त के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान कुछ मापदंडों में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है और उद्योग को बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभप्रदता, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है जबकि घरेलू बाजार में उत्पाद की बेहतर मांग रही है । क्षति वास्तविक और काफी अधिक है । अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और इस प्रकार की क्षति बेलारूस से पाटित आयातों की कीमत और मात्रात्मक प्रभाव के कारण मुख्य रूप से हुई है । अन्य कारकों के कारण क्षति, यदि कोई हो, पर्याप्त नहीं है ।

43 क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है । विचाराधीन उत्पाद के खुले एवं डिब्बाबंद रूप हेतु क्षतिरहित कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है । क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है :

| | रु./किग्रा. | अम.डॉ./किग्रा. |
|----------------------|-------------|----------------|
| क्षतिरहित कीमत | *** | *** |
| प्रतिवादी निर्यातक | | |
| आयातों की पहुंच कीमत | *** | *** |
| क्षति मार्जिन | 45-50 | 1.15-1.20 |

ठ निष्कर्ष:

44 हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों तथा इस जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- (क) बेलारूस से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- (ग) यह क्षति बेलारूस से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

45. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और परिणतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपायों द्वारा कमी नहीं आएगी खासकर यदि पाटनरोधी शुल्क के उद्ग्रहण को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक सीमा तक सीमित रखा जाए । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

46. सिफारिशें

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच शुरू करने और प्रारंभिक जांच करने के बाद तथा संबद्ध देश के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम रूप से पुष्टि एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है । प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं ।

प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार बेलारूस के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर इस अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है।

| क्र. सं. | शीर्ष/उपशीर्ष | वस्तु विवरण | विनिर्देशन | उद्गम देश | निर्यात देश | उत्पादक | निर्यातक | शुल्क राशि | इकाई | मुद्रा |
|----------|---------------|-------------|-------------|-----------------------|-----------------------|---------------------|---------------------|------------|---------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | 5902.10 | एनटीसीएफ | समस्त ग्रेड | बेलारूस | बेलारूस | ग्रीडनो खिमवोलोक्नो | ग्रीडनो खिमवोलोक्नो | 0.84 | किग्रा. | अम.डॉ. |
| 2 | 5902.10 | एनटीसीएफ | समस्त ग्रेड | बेलारूस | बेलारूस | कोई | कोई | 0.92 | किग्रा. | अम.डॉ. |
| 3 | 5902.10 | एनटीसीएफ | समस्त ग्रेड | बेलारूस | चीन जन.गण. से इतर कोई | कोई | कोई | 0.92 | किग्रा. | अम.डॉ. |
| 4 | 5902.10 | एनटीसीएफ | समस्त ग्रेड | चीन जन.गण. से इतर कोई | बेलारूस | कोई | कोई | 0.92 | किग्रा. | अम.डॉ. |

चूंकि चीन जन.गण. के संबंध में निर्णायक समीक्षा चल रही है इसलिए चीन जन जन.गण. के मामले में शुल्क की सिफारिश निर्णायक समीक्षा के जांच परिणामों में की जाएगी।

47. आगे की प्रक्रिया

36. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- क. प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझी जाने वाली ज्ञात अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इस पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- ग. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के विचारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी सुनवाई आयोजित करेंगे।

- घ. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- ड. प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2009

Preliminary Findings

Subject : Anti-Dumping Investigations involving imports of Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from Belarus.

No. 14/09/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred to as Rules) 1995 thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from Association of Synthetic Fiber Industry for and on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from Belarus (hereinafter also referred to as subject country).
- ii. The Authority notified the Embassy/Representative of the Belarus in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 30th Sept, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from the Belarus, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

- iv. The Designated Authority sent copy of initiation notification dated 30th September 2008 to the Representative of the Belarus in India, known exporters from the Belarus, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Representative of the Belarus in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- vi. The Representative of the Belarus in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country/country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- vii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country and the surrogate country proposed by the domestic industry in accordance with Rules 6(4).
 - a) M/s. Grodno Khimvolokno
Slavinskogo Street,
4, Grodno
BY-230026,
Republic of Belarus.
 - b) Thai Baroda Industries Ltd
Maptaphut Industrial Estate I-1 Road Maptaphut, Muang Rayong,
Rayong, 21150, Thailand.
 - c) Formosa Taffeta Company, Ltd.
2F, 201, Tung Hwa North Road
Taipei, Taiwan.
- viii. In response to the above notification, the following exporter filed its questionnaire response.
 - M/s. Grodno Khimvolokno
Slavinskogo Street,
4, Grodno
BY-230026,
Republic of Belarus
 - M/s Thai Baroda of Thailand submitted its costing information.

ix. Questionnaire was sent to the following known importers and/or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

a) **APOLLO TYRES LTD.**
Apollo House, 7, Institutional Area, Sector 32
GURGAON-122001 (HARYANA)

b) **FALCON TYRES LTD.**
KRS Road, Metagalli Post,
MYSORE-570016

c) **BIRLA TYRES**
Shivam Chamber, 53, Syed Amir Ali Avenue,
KOLKATA-700019

d) **GOODYEAR INDIA LTD.**
Mathura Road,
Ballabgarh.HARYANA-121004

e) **BRIDGESTONE INDIA PVT. LTD.**
Plot No. 12, Kheda Growth, Centre,
Post Sagore 454 774. Dist Dhar
MADHYA PRADESH

f) **JK TYRE & INDUSTRIES LTD.**
Link House, 3, Bahadur Shah Zafar Marg,
NEW DELHI-110002

g) **CEAT LTD.**
463, Dr. Annie Besant Road,
MUMBAI-400030

h) **MRF LTD.**
124, Greaves Road,
CHENNAI-600006

i) Balkrishna Industries Limited
421-422 – Creative, 72-NM Joshi Marg
Mumbai 400 011.

j) Automotive Tyre Manufacturers' Association
PHD House, 4th floor,
Siri Fort Institutional Area
Opp. Asian Village
New Delhi

x In response, information has been received following importers/consumers, which has been considered in the present findings.

a) M/s Apollo Tyres Ltd. Gurgaon.

xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.

xiii. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2007 to 31st March, 2008 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2004-March 2005, April 2005-March 2006, April 2006-March 2007 and the POI.

xv. *** in this notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

xvi. The Authority has considered the US \$ Rs exchange rate for the POI as 1\$= Rs 40.29.

B Product under consideration and like article

3 Product under consideration in the present investigation is Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF), which is meant largely for reinforcement of tyre. NTCF finds application in different kinds of automotive tyres. Nylon Tyre Cord Fabric is

produced from Caprolactam. Caprolactam is processed to obtain nylon chips. The chips are processed further to obtain yarn. Yarn is processed further to obtain fabric. NTCF is produced in a number of deniers. NTCF is used for the reinforcement of tyres. The product is sold as "Grey fabric" or "Dipped fabric". It is eventually consumed only in dipped form. In those cases where the product is purchased in grey form, dipping is done by the purchasers. All types of nylon tyre cord fabrics are within the scope of the product under consideration.

4. The product under consideration is classified under Customs Tariff Chapter 59 at sub-heading 59.02.10.00. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

5. With regard to like article, Rule 2(d) provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

6. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject country. Product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. Thus, the subject goods produced by the petitioners are being treated as like article to the subject goods imported from subject country in accordance with the anti-dumping Rules.

C Standing of the domestic industry and initiation of the investigation

7. The petition for imposition of anti dumping duty was filed by Association of Synthetic Fibre Industry and supported by SRF Limited and Century Enka Limited. The Authority notes that there was one other company (M/s NRC) which was in production of product concern in POI. The company has however, suspended production and has not responded to the Authorities request for information. On the basis of the information received, the Authority notes that the applicant companies constitute a major proportion in Indian production. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation the petitioners command the standing in terms of Rule 5(3) and constitute the domestic industry in terms of Rule 2(b).

D Import Volumes and De-Minimis Limits

8 The Authority has examined the volume of imports of the subject goods as provided by (a) the petitioner (which is based on secondary source import data), (b) information procured by the Authority from the DGCI&S and (c) the responding exporter. It is noted that the volume of imports reported by the responding exporter is higher than the volume of imports reported in the DGCI&S and secondary source data. On the basis of various import data on record, the import volumes from the Belarus are found to be above the de-minimis levels.

8.1 M/s Apollo Tyres, Gurgaon have responded as an importer and have provided the following information in respect of imports (duty paid and duty free) made during the POI.

| Country | Qty Kg | Rate \$ per Kg |
|----------|--------|----------------|
| China | *** | *** |
| Russia | *** | *** |
| Belarus | *** | *** |
| Taiwan | *** | *** |
| Thailand | *** | *** |

The Authority notes that in respect of the imports from Belarus, the CIF price matches with the response of the exporter.

E Arguments raised by interested parties

9 Followings are the issues raised by the domestic industry

- a. The product under consideration in the present petition is Nylon Tyre Cord fabric (NTCF), hereinafter also referred to as "subject product or subject goods" originating in or exported from Belarus.
- b. The product is a fabric of nylon, meant largely for tyre cord. NTCF finds application in different kinds of automotive tyres
- c. Nylon Tyre Cord Fabric is used as reinforcement fabric in various kinds of tyres
- d. Most of the producers produce their own chips and thereafter yarn to produce fabric. In fact, the producers consider these as integrated production activities. Nylon chips and nylon yarn, produced as intermediates in the production process, are normally produced only for consumption in NTCF production.
- e. The subject goods are categorized under Chapter 59 of the Customs Tariff Act, which covers "Impregnated, Coated, Covered or Laminated Textile

Fabric". Subject goods are categorized under heading 5902, which cover "tyre cord fabric of high tenacity yarn of nylon or other polyesters or viscose rayon". Nylon Tyre Cord Fabric is classified under subheading 59021000

- f. The subject goods are in fabric form. Commercially manufactured Nylon Tyre Cord Fabric is available in two forms (a) Grey Fabric; and (b) Dipped Fabric
- g. There are no restrictions on imports of subject product. The product can be imported freely from any country in any quantity
- h. The producers/exporters from Belarus have recently started exporting NTCF in the Indian market. Significant increase in dumped imports from Belarus occurred over the injury period
- i. Production of the participating company constitutes total Indian Production. The petition is being made by the Association of the subject goods. It may kindly be considered that the petition is being made on behalf of the domestic industry
- j. There is one more producer of the product in India, However, NRC Limited has stopped production in the proposed period of investigation.
- k. M/s. Century Enka Limited is a B K Birla Group Company. M/s. Birla Tyres (A unit of Kesoram Industries Limited) is also a B K Birla Group Co. Birla Tyres and Century Enka are related companies. M/s. Birla Tyres is importing NTCF regularly.
- l. Petitioner companies do not have significant export activities with regard to the product under consideration.
- m. There is no known difference in subject goods (NTCF) exported from Belarus and that produced by the petitioner companies
- n. Subject goods (in various grades) produced by the domestic industry and imported from Belarus are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable
- o. There is no known difference in the technology adopted by the petitioner companies and by the producer in the subject country.

10. No other issues have been raised by other interested parties.
11. The arguments of the domestic industry have been taken into account while notifying the present findings and have been addressed at appropriate places in these findings.

F Dumping determination

12. The Authority sent questionnaire to following known exporter/producer from Belarus, advising them to provide information in the form and manner prescribed:

M/s. Grodno Khimvolokno, Slavinskogo, Grodno, Republic of Belarus.

13. This company has responded to the Authority and has provided questionnaire response. Since the company has responded to the Authority, individual dumping margin has been determined in respect of the company.
14. Following submissions has been made by the domestic industry.
 - 1) Belarus is a non market economy.
 - 2) There is only one producer of product concern in Belarus i.e. also state owned company, the company therefore is not eligible for market economy treatment.
 - 3) Taiwan or Thailand may be considered as appropriate surrogate country for Belarus and cost of production including SGA in these countries may be considered as normal value.
 - 4) Domestic industry is not been able to get any price or information from these country, normal value is therefore, determined based on constructed cost of production in India.

G Normal Value in case of Grodno Khimvolokno

15. The questionnaire response filed by M/s Grodno Khimvolokno has been examined. The company has admitted that the ownership/ principal shareholder in the company is the State Committee on property of Republic of Belarus, which is a state entity at the Republican (National) level. The company was created on the basis of order no.127 dated 10.09.2002 of the Ministry of Economic Affairs of the Republic by reorganization of Republican Unitary Enterprise " Production Association Khimvolokno Grodno". Such being the situation, possibility of significant state interference cannot be denied. It has been stated that prior to this reorganization in 2002, the plant and equipment was established in 1978 as a state entity. The details in respect of transfer pricing of assets, in line with the market acquisition etc. have not been provided. Further, the procurement of raw material/

utilities etc are also procured through the companies stated to be state entities. In view of the above, the authority treats the company to be operating under non economy market conditions for the provisional determination subject to verification of their records and final rebuttal by the company in this regard.

- 16 Accordingly, the normal value is determined on the basis of para 7 of Annexure 1, which states as under:

7. *In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the Designated Authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country shall be given a reasonable period of time to offer their comments."*

- 17 The Authority notes that the normal value can not be determined based on price of market economy third country as relevant information is not available. Though, the petitioner has suggested Taiwan or Thailand as appropriate market economy country, however, no comments are filed by any interested party in this regard. The Authority therefore has no option but to determine normal value as per the prices paid or payable in India.

- 18 Normal value, therefore, is determined considering cost of production in India including Selling general and administration expenses and reasonable profit margin. Normal value so determined comes to US \$ ***per kg-for grey fabric.

H Export Price

- 19 The Exporter has provided information relating to export to India in Appendix 2. It has been stated that for Indian market the product is shipped to India but sold on a principal to principal basis to unaffiliated firm M/s Kapsco Private Ltd. (Kapsco) Singapore which pays to Grodno Khimvolokno in advance. During the POI, the company has exported ***MT of grey fabric to India. There is also an export of ***MT purported to be dipped fabric, however subject to verification, the same has been considered in Grey. The information in respect of gross invoice value, net invoice value and total cost on account of delivery etc has been

provided. Separate details in respect of overseas freight, insurance, commission etc have not been provided; however, consolidated adjustments have been claimed. It is noted from the response that the exports have been facilitated through M/s Kapsco, Singapore. Details of adjustment on their behalf have not been provided. For the purpose of preliminary determination, the authority has considered 2% of the export price as the commission/ expenses on account of Kapsco. The authority, for the purpose of preliminary findings and subject to verification of the amount of adjustments claimed, has allowed the net export price as claimed by the company after adjusting the expenses on account of Kapsco. The net export price comes to US \$ *** per kg for Grey Fabric.

I Dumping Margin in case of responding exporter

- 20 Considering the normal value and export price determined, as explained above, the Authority has determined the dumping margin.

J Dumping margin in case of other non cooperating exporters

- 21 The Authority notes that only Grodno Khimvolokno has responded to the Authority and has provided questionnaire response. No other exporter from Belarus has responded to the Authority. In case of non cooperative exporters from Belarus, export price is taken considering lowest export price of Grodno Khimvolokno. Accordingly dumping margin determined comes to as under:

US \$ per Kg.

| | Grodno Khimvolokno | Residual |
|-----------------------|-----------------------|----------|
| Normal value | *** | *** |
| Export price | *** | *** |
| Dumping margin amount | *** | *** |
| Dumping margin % | 28.00 | 31.50 |

K Injury and causal link

- 22 Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or

prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.

23. Assessment of demand

Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

| Demand | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|----------------------------|------|---------|---------|---------|--------|
| Sales of Domestic industry | MT | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| Sales of other Producers | MT | 7,592 | 6,050 | 7,037 | 3,530 |
| Subject Country | MT | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| Other Countries | MT | 41427 | 46312 | 42571 | 37751 |
| Demand | MT | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |

It is seen that the demand for the product under consideration has shown an increase. The authority notes that as per the submissions of the exporters the exports during the POI from Belarus was 4273 Mt as against 3923 MT reported by DGC&IS, which shows even higher exports than as reported by DGC&IS. However, subject to verification of the exports, the authority has relied upon the data of responding exporter.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

23.1 Volume and market share in dumped imports

Imports volume from subject country and other countries has been as under:-

| Imports in MT | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|--|------|---------|---------|---------|-------|
| Belarus | MT | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| China PR –Attracting Anti Dumping Duty | MT | 21594 | 28021 | 23339 | 17204 |
| Other Countries | MT | 19833 | 18292 | 19232 | 20547 |
| Total Imports | MT | 41445 | 48019 | 45779 | 42024 |
| Market Share in Imports | | | | | |
| Belarus | % | 0.04 | 3.55 | 7.01 | 10.17 |
| China | % | 52.10 | 58.35 | 50.98 | 40.94 |
| Other Countries | % | 47.85 | 38.09 | 42.01 | 48.89 |

It is noted that imports from Belarus increased during the injury period. In the base year, the imports were negligible, which increased upto significant levels. The Authority notes that after the imposition of anti dumping duty against China, the imports have started from a new avenue Belarus. The Authority also notes that product is imported in India from different sources in dipped and grey form, however, mainly grey is being imported from Belarus.

23.2 Market share in demand

Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject country in demand in India is as shown in table below.

| | | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|------------------------|----|---------|---------|---------|---------|
| Demand | MT | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |
| Market Share in Demand | | | | | |
| Domestic industry | % | 48.47 | 46.45 | 50.68 | 56.42 |
| Other Indian Producers | % | 7.98 | 5.99 | 6.57 | 3.38 |
| Indian Industry | % | 66.45 | 52.44 | 57.25 | 59.80 |
| Belarus | % | 0.02 | 1.69 | 3.00 | 4.09 |
| Other Countries | % | 43.54 | 45.87 | 39.75 | 36.11 |

It is observed that the market share of dumped imports in demand from Belarus increased from negligible during base year to 4.09% during the POI.

23.3 Share of dumped imports in relation to production:

It is observed that the dumped imports from subject country have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table: -

| | | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|---|----|---------|---------|---------|--------|
| Imports from Belarus | MT | 18 | 1707 | 3208 | 4,273 |
| Production of domestic industry | MT | 46,958 | 48,637 | 56,240 | 60,605 |
| Imports in relation to production of domestic industry. | % | 0.04 | 3.51 | 5.70 | 7.05 |

24 Capacity & Capacity utilization

Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|------------------------|------|---------|---------|---------|--------|
| Capacity MT | MT | 44,650 | 45,289 | 51,008 | 61,789 |
| Capacity Utilization % | % | 105.17 | 107.39 | 110.26 | 98.08 |
| Demand | MT | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |

It is observed that domestic industry has enhanced capacities over a period of time to be in line with the increasing demand of the product. The domestic industry has even utilized its capacity more than the installed level; however, imports from Belarus coupled with China forced the domestic industry to restrict the production. It is noted that the Capacity utilization in 2007-08 remained at levels below 2004-05.

25 Production

Production of the domestic industry is given in the following table:-

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|----------------------------------|------|---------|---------|---------|---------|
| Production MT | MT | 46,958 | 48,637 | 56,240 | 60,605 |
| Demand | MT | 86,401 | 105,180 | 110,882 | 111,913 |
| Production in relation to Demand | % | 49.34 | 48.17 | 52.52 | 57.97 |

It is observed that production of the domestic industry shows positive trend. At the same time, demand growth also shows positive trend. Production of the domestic industry showed declining trend (in relation to demand) in 2005-06 over base year, which started increasing again in 2006-07 and POI. However, it remained lower than base year. It is

observed that the demand of product in India is more than capacity. Though the domestic industry has increased capacity but was not able to increase its production proportionately due to dumped imports.

26 Sales

Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|---|---------|---------|---------|---------|--------|
| Sales | MT | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| Trend | Indexed | 100.00 | 101.69 | 117.68 | 127.90 |
| Demand | MT | 95154 | 100966 | 107089 | 104538 |
| Trend | Indexed | 100 | 106 | 112 | 110 |
| Market Share of domestic industry in demand | % | 48.46 | 46.44 | 50.68 | 56.42 |
| Market Share of Indian industry in demand | % | 66.45 | 52.44 | 57.25 | 59.80 |

It is observed that sales of the domestic industry increased in absolute term. It is however noted that the increase in sales volumes was less than increase in demand, resulting in decline in market share of the domestic industry. It was seen that the lost market share was not gained by other Indian producers.

27 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

The product under consideration is sold in India in two grades - grey and dipped. However, while consumption it is consumed in dipped form only. When, customer purchases grey fabric, it is dipped by consumer itself. It is seen that the product imported from Belarus is mainly in grey form. In view of cost and price difference between grey and dipped form of the product and because the imports from subject country are mainly in grey, comparison of the domestic selling price with the landed value of imports for the grey form has been done. The net sales realization was arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty (10%) to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry.

| | | |
|------------------------------------|--------|--------|
| | | Grey |
| Import volumes | MT | 4273 |
| Import Price | Rs./KG | 131.38 |
| Landed Price | Rs./KG | *** |
| Selling price of Domestic industry | Rs./KG | *** |
| Price Undercutting | Rs./KG | *** |
| % Undercutting range | % | 15-20 |

It is observed that the subject exporters have sold the product at significantly lower than selling price of domestic industry.

27.1 Price Underselling

The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI in accordance with the practice of the Authority and also by taking into account the decision of Hon'ble Supreme Court. Non-injurious price has been determined separately for the Grey and Dipped form of the product.

The analysis shows that the landed value of Grey form of subject imports were significantly below the non-injurious price determined.

| | | |
|----------------------|--------|-------|
| | | Grey |
| Import volumes | MT | 4273 |
| Landed Price | Rs./KG | *** |
| Non-injurious price | Rs./KG | *** |
| Price underselling | Rs./KG | *** |
| % underselling range | % | 30-35 |

27.2 Price suppression/depression

The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases, which would have otherwise

occurred. For the purpose, the Authority examined the trends in cost to make & sell and compared the same with selling price & landed price of imports.

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|---|--------|---------|---------|---------|--------|
| Landed price of imports | Rs./KG | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |
| Selling price of the domestic industry (Grey) | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 109 | 100 | 95 |
| Cost of production of the domestic industry | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 112 | 110 | 107 |
| Profit/loss | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 83 | 16 | (9) |

It is noted that whereas the cost of production increased between 2004-05 and 2005-06, the same declined thereafter. Selling prices of the domestic industry also have shows same trend of increasing in 2005-06 and declining thereafter. Thus, between 2005-06 and POI, whereas both cost of production and selling price declined, the decline in the selling price was far more pronounced than decline in the cost of production. The imports were thus depressing the prices of the domestic industry in the market.

28 Profit/Loss

The profitability of the domestic industry is given in the following table

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|----------------------------|----------|---------|---------|---------|--------|
| Profit before tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 75 | 9 | (39) |
| Profit before interest | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 82 | 33 | (10) |
| Profit per unit of sales | | | | | |
| Before interest | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 80 | 3 | (0.08) |
| After interest | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 73 | 8 | (0.30) |
| Sales of domestic industry | MT | 46,117 | 46,897 | 54,273 | 58,984 |
| Landed price of imports | Rs./KG | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |

The Authority observes that profits of the domestic industry declined significantly over the injury period and industry made losses in the investigation period. The decline in profits is inspite of continued significant increase in the sales volumes. The Authority determined profits per unit of sale earned by the domestic industry and noted that there is dramatic erosion of profits in POI. Therefore, the Authority examined in detail the reasons for such a steep fall in the profitability. For the purpose, the trends in profitability were compared with the trends in import prices. Landed price of imports from Belarus

declined significantly over the injury period, which directly impacted the profitability of domestic industry. The Authority thus notes that profitability of the domestic industry is directly linked with the import prices. Further, the decline in the landed price of imports was most pronounced in the POI with consequent impact on the profitability of the domestic industry.

L Examination of other Injury Parameters

29 After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed by the Authority as follows:

30 Inventories

Inventories with the domestic industry moved as follows –

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|-------------|---------|---------|---------|---------|--------|
| Inventories | MT | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100.00 | 121.10 | 168.21 | 167.73 |

It is noted that inventories with the domestic industry have shown significant increase.

31 Productivity

The Authority notes that productivity of the domestic industry has increased with the increase in capacity and production in absolute term.

| | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|---------------------------|---------|---------|---------|-------|
| Productivity per employee | *** | *** | *** | *** |
| Trend | 100 | 100.4 | 102.8 | 108.9 |

32 Employment and Wages

The Authority notes that employment and wages does not show material injury.

| | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|--------------------|---------|---------|---------|---------|-----|
| Number of employee | Nos | *** | *** | *** | *** |
| Wages | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** |

33 Cash Flow

Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

| Rs. Lacs | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-------------|---------|---------|---------|---------|
| Cash Profit | *** | *** | *** | *** |
| Trend | 100 | 85 | 55 | 37 |
| Cash flow | *** | *** | *** | *** |

The Authority notes that both the constituents of the domestic industry are multi product companies. Therefore, it would be more appropriate to assess the effect of dumped imports on cash flow by considering the trends in cash profits. It is seen that the cash profits of the domestic industry steeply declined over the injury period.

34 Factors affecting domestic prices:

Change in cost structure, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The Authority notes that the domestic market for the product under consideration is growing. The landed price of subject imports is below the selling price of both the constituents of the domestic industry. It could not therefore be concluded that inter-se competition is to such an extent that the same led to decline in the prices by the domestic industry.

Comparison of landed price of imports with selling price of the domestic industry over the injury period showed as follows –

| | Units | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | POI |
|------------------------------------|-------|---------|---------|---------|--------|
| Import volumes | MT | 18 | 1707 | 3208 | 4273 |
| Landed Price | Rs/KG | 169.24 | 179.56 | 170.78 | 154.54 |
| Selling price of Domestic Industry | Rs/KG | *** | *** | *** | *** |
| % Undercutting range | % | 8-12 | 14-18 | 8-12 | 16-20 |

It is noted that selling price of the domestic industry moved in tandem with the landed price of imports.

35 Return on capital employed

Information regarding return on capital employed is given in the table below.

| | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|------------------|---------|---------|---------|---------|
| ROCE - GFA basis | *** | *** | *** | *** |
| Trend | 100 | 69 | 22 | (0.07) |
| ROCE - NFA basis | *** | *** | *** | *** |
| Trend | 100 | 63 | 18 | (0.06) |

The Authority notes that return on capital employed for domestic industry has deteriorated significantly over the injury period.

36 Growth

It is observed that there is a growth in volume parameters viz. in production, capacity utilization sales, and demand etc in absolute term. However, it is noted that the market share of the domestic industry has declined during the POI and the return on capital employed has deteriorated significantly, market share of the dumped imports has increased both in absolute terms and in total demand.

37 Ability to raise capital investment

Authority notes that fresh investments were made by the domestic industry upto 2006-07. However, the domestic industry was having better profitability till that stage. Further, both the companies are multi product companies. However, continued dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

38 Conclusions on Injury

On examination of various injury parameters, the Authority came to following preliminary conclusions with regard to injury to the domestic industry.

- (a) Imports from subject country have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India. Increase in volume of imports is in Grey form, where the price undercutting was significant.
- (b) Dumped imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry.
- (c) Selling price of the domestic industry declined. Even when there was a decline in the cost of production, the decline in the selling price was far more pronounced than decline in the cost of production.
- (d) Sales volumes of the domestic industry improved. However, in spite of increase in sales volume, market share of domestic industry declined.
- (e) The profitability of the domestic industry has deteriorated over the injury period. The decline was most pronounced in the POI. In spite of much higher sales volumes, profits earned by the domestic industry were much lower.
- (f) The return on capital employed and cash profits have deteriorated and show the same trend as that of profits.

It is thus provisionally concluded that the domestic industry has suffered material injury.

39 Causal Link and Other Factors

The Authority has examined existence of causal link between the dumped imports and injury suffered by the domestic industry in the light of the arguments of the interested parties and having regard to the Rules in this regard.

40 Effect of other known listed parameters

The Authority examined the issue of causal link and other non-attributive factors as laid down in the Rules to segregate injury, if any, caused by other factors. In this regard, the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

(a) Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

The Authority notes that China is also a major exporter of product concerned. China is already attracting duty and the Authority is conducting sunset review investigation against China PR. Imports from third countries could not have therefore caused injury to the domestic industry.

(b) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

The Authority has not found any trade restrictive practice followed by the domestic industry and Indian industry. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Authority notes that the landed price of imports is materially lower than the selling price of the domestic industry. Further, the landed price of imports declined very significantly over the injury period. In a situation where the import prices are substantially lower than the selling prices of the Indian Producers and in spite of the same, the Foreign Producers substantially reduced the prices, it cannot be concluded that the price reduction in the market were triggered by the domestic producers.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

There is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the demand has increased by 39% over the injury period. Therefore, any possible decline in demand is not a factor, which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor it appears that

changes in the pattern of consumption could have inflicted the injury to the domestic industry.

(d) Developments in Technology,

There is no difference in technology adopted by the domestic industry and exporter/producer from subject country. The investigation has not shown that technology for production of the subject goods has undergone any significant change. With regard to the difference in technology, the Authority notes that the domestic industry and the Foreign Producers were producing and selling the goods with the same technology over the injury period and the profitability of the domestic industry was much better in earlier years and declined sharply in the POI. Such being the case, the Authority holds that the difference in technology has not caused injury to the domestic industry. Therefore, it is provisionally concluded that possible developments in technology has not caused injury to the domestic industry.

(e) Export performance

Domestic industry does not have significant export sales for product concern. Possible decline in exports is not a possible cause of injury to the domestic industry.

(f) Productivity of the Domestic Industry

Productivity of the domestic industry has improved. Possible decline in productivity is not a possible cause of injury to the domestic industry.

From the foregoing, the Authority provisionally concludes that there is no evidence of injury being caused due to other factors.

41 Factors establishing causal link

Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. Imports were resulting in price undercutting in the market. Further, the dumped import prices and consequently the landed price of imports declined significantly during the POI over the injury period. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices significantly;
2. Decline in prices by the domestic industry resulted in significant price depression faced by the domestic industry;
3. Reduction in the selling prices by the domestic industry has adversely affected its profits, cash flow and return on investments of the company;

4. Even when the domestic industry responded to decline in import prices, by reducing its selling prices, volume of imports increased, resulting in decline in its market share;

The above clearly establish existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry.

42 Overall assessment

The above analysis of various injury and causal link factors show that in spite of improvement in some parameters during the injury period, the performance of the domestic industry has materially deteriorated and the industry suffered injury in terms of sales volumes, capacity utilization, market share, profitability, cash flow and return on investment, while there was a healthy demand for the product in the domestic market. The injury suffered is material and significant. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from Belarus. Injury, if any, caused due to other factors is not significant.

43 Magnitude of injury and injury margin

The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into cost of production of the domestic industry. The non-injurious price has been determined separately for the loose and packed form of the product under consideration. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the weighted average landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

| | Rs/Kg | USD/Kg |
|-------------------------|-------|-----------|
| Non-injurious price | *** | *** |
| Responding Exporter | | |
| Landed price of imports | *** | *** |
| Injury margin range | 45-50 | 1.15-1.20 |

M Conclusions:

44 After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority provisionally concludes that:

- The product under consideration has been exported to India from Belarus below its normal value.
- The domestic industry has suffered material injury.
- The injury has been caused by the dumped imports from Belarus.

45 Indian industry's interest & other issues

The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

46 Recommendations

The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below to be imposed from the date of this notification on all imports of subject goods originating in or exported from Belarus.

| SN | Heading/ subheading | Description of goods | Specification | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | Duty amount | Unit | Currency |
|----|------------------------|-------------------------|---------------|-------------------------------------|-------------------------------------|-----------------------|-----------------------|----------------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | 5902.10 | NTCF | All Grades | Belarus | Belarus | Grodno Khimvolokno | Grodno Khimvolokno | 0.84 | Kg | USD |
| 2 | 5902.10 | NTCF | All Grades | Belarus | Belarus | Any | Any | 0.92 | Kg | USD |
| 3 | 5902.10 | NTCF | All Grades | Belarus | Any other than China PR | Any | Any | 0.92 | Kg | USD |
| 4 | 5902.10 | NTCF | All Grades | Any other than China PR | Belarus | Any | Any | 0.92 | Kg | USD |

As the Sunset Review in respect of China PR is already in progress, the duty in case of China PR will be as recommended in the findings of the sunset review.

47 **Further Procedure**

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority